International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
An International Quarterly bi-lingual Multidisciplinary Double Blind Open Access Peer Reviewed Refereed Journal
ISSN:2581-9925, Impact Factor (Cosmos: 7.555 & I2OR: 5.105), Volume 08, No. 03(II), July-September, 2026, pp. 130-134

महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं में साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता का अध्ययन

आरती मालव[1*] | डॉ. दीपा स्वामी[2]

[1]गृह विज्ञान विभाग, राजकीय कला कन्या महाविद्यालय, कोटा, राजस्थान।
[2]प्रोफेसर, गृह विज्ञान विभाग, राजकीय कला कन्या महाविद्यालय, कोटा, राजस्थान।

[*]Corresponding Author: aartimalav89@gmail.com

Citation: मालव, आरती एवं स्वामी, दीपा (2026). महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं में साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता का अध्ययन. International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science, 08(03(II)), 130–134. https://doi.org/10.62823/IJEMMASSS/8.3(II).9395

सार

वर्तमान युग सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल क्रांति का युग है, जहाँ इंटरनेट ने शिक्षा, संवाद और जीवनशैली को सुगम बनाया है, वहीं इसके नकारात्मक पहलू के रूप में 'साइबर अपराध' (Cyber Crime) एक गंभीर चुनौती बनकर उभरा है। युवा वर्ग, विशेष रूप से महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राएं, इंटरनेट और सोशल मीडिया के सबसे बड़े उपभोक्ता होने के नाते साइबर अपराधियों के मुख्य निशाने पर रहते हैं। यह अध्ययन वर्णनात्मक सर्वेक्षण अनुसंधान पर आधारित है। कोटा जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से समानुपातिक स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श विधि के माध्यम से कुल 1,000 विद्यार्थियों (500 छात्र और 500 छात्राएँ) का न्यादर्श चयनित किया गया। इसके अतिरिक्त, t–परीक्षण के विश्लेषण से यह सिद्ध हुआ कि छात्र–छात्राओं की साइबर जागरूकता में सांख्यिकीय रूप से एक सार्थक अंतर ($t=91.54$, $p<0.05$) विद्यमान है, जिसमें छात्राओं की तुलना में छात्र में तकनीकी और व्यावहारिक जागरूकता का स्तर अधिक पाया गया। निष्कर्षतः, महाविद्यालय स्तर पर डिजिटल साक्षरता अभियानों और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अनिवार्य रूप से लागू करने की आवश्यकता है। प्रस्तुत शोध आलेख का मुख्य उद्देश्य राजस्थान के प्रमुख शैक्षणिक व औद्योगिक केंद्र कोटा जिले के महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के बीच साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता के स्तर का मूल्यांकन करना तथा इससे जुड़े विभिन्न कारकों का विश्लेषण करना है।

शब्दकोश: *साइबर अपराध, डिजिटल साक्षरता, महाविद्यालयी छात्र– छात्राएं, कोटा जिला, साइबर सुरक्षा।*

प्रस्तावना

सूचना प्रौद्योगिकी के तीव्र विस्तार ने समाज के हर वर्ग को प्रभावित किया है। आज का युवा अपनी शैक्षणिक और दैनिक आवश्यकताओं के लिए इंटरनेट, स्मार्टफोन और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अत्यधिक निर्भर है। राजस्थान का कोटा जिला अपनी विशिष्ट शैक्षणिक संस्कृति (कोचिंग हब और उच्च शिक्षण संस्थानों) के कारण पूरे देश में प्रसिद्ध है, जहाँ दूर–दराज से लाखों छात्र – छात्रा उच्च शिक्षा प्राप्त करने आते हैं।

हालांकि, डिजिटल उपकरणों के इस व्यापक उपयोग के साथ–साथ साइबर ठगी, फिशिंग, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, पहचान की चोरी (Identity Theft), साइबर बुलिंग और मॉर्फिंग जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं।

* *Copyright © 2026 by Author's and Licensed by Inspira. This is an open access article distributed under the Creative Commons Attribution License which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work properly cited.*

महाविद्यालयीन युवा अक्सर तकनीकी रूप से सक्रिय तो होते हैं, लेकिन सुरक्षा मानकों के प्रति उनकी उदासीनता उन्हें साइबर अपराधों का आसान शिकार बना देती है। इसलिए, यह अध्ययन करना अति आवश्यक हो गया है कि कोटा जिले के छात्र–छात्राओं में साइबर सुरक्षा को लेकर कितनी जागरूकता है।

शोध विधि

- **शोध का प्रकारः** वर्णनात्मक सर्वेक्षण अनुसंधान (Descriptive Survey Research)।
- **अध्ययन क्षेत्रः** राजस्थान का कोटा जिला (सरकारी एवं निजी, ग्रामीण व शहरी महाविद्यालय)।
- **समग्र एवं न्यादर्शः** कुल 100,000 विद्यार्थियों के समग्र (Population) में से 1,000 विद्यार्थियों (500 छात्र और 500 छात्राएँ) का न्यादर्श।
- न्यादर्श चयन विधिः समानुपातिक स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श विधि
- **शोध उपकरणः** स्वनिर्मित प्रशंवाली जो की डॉ. एस. राजशेखर द्वारा विकसित Cyber Crime Awareness Scale पर आधारित है ।
- **तथ्य संकलनः** प्राथमिक स्रोत (प्रश्नावली/मापनी) और द्वितीयक स्रोत (शोध पत्र, पुस्तकें, आधिकारिक वेबसाइटें आदि)।
- **सांख्यिकीय तकनीकें:** SPSS एवं MS Excel के माध्यम से वर्णनात्मक सांख्यिकी (माध्य, प्रतिशत, मानक विचलन) और अनुमानात्मक सांख्यिकी (t–परीक्षण, प्रसरण विश्लेषण)।
- **माप व विश्वसनीयताः** कोच्रन के नमूना आकार सूत्र और क्रोनबैक अल्फा (Cronbach's Alpha) का उपयोग।

उद्देश्य

महाविद्यालय में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं में साइबर अपराध के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।

परिकल्पना

महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं में साइबर अपराध के प्रति जागरूकता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तथ्यों का संग्रहण एवं विश्लेषण

तालिका 1: छात्र–छात्राओं में साइबर अपराध के प्रति जागरूकता

प्रतिक्रिया	हाँ		नहीं	
	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा
अनाधिकृत रूप से डिजिटल डेटा प्राप्त करने के प्रति जागरूकता	212	202	288	298
सोशल मीडिया या ईमेल अकाउंट हैकिंग के प्रति- जागरूकता	209	198	291	302
मोबाइलकंप्यूटर हैकिंग के प्रति जागरूकता/	216	206	284	294
डिजिटल उपकरणों में वायरसमैलवेयर फैलाने के प्रति/ जागरूकता	222	211	278	289
सोशल मीडिया पर अपशब्दों के प्रयोग से संबंधित जागरूकता	204	194	296	306
सोशल मीडिया पर दी जाने वाली धमकियों के प्रति जागरूकता	226	216	274	284
ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की समझ	232	222	268	278
वेबसाइट के माध्यम से नकली माल बेचने के प्रति जागरूकता	211	200	289	300
अश्लील एवं आपत्तिजनक सामग्री साझा करने के प्रति जागरूकता	186	175	314	325
फिल्मों की पायरेसी के संबंध में जागरूकता	198	187	302	313
घृणास्पद भाषण और चरमपंथी सामग्री के प्रति जागरूकता	227	216	273	284

बाल यौन शोषण सामग्री)CSAM) के प्रति जागरूकता	243	233	257	267
कॉपीराइट उल्लंघन सामग्री के उपयोग के प्रति जागरूकता	247	237	253	263
पायरेटेड सॉफ्टवेयर और गेम के उपयोग के प्रति जागरूकता	200	189	300	311
साइबर मानहानि के प्रति जागरूकता	211	201	289	299
मॉर्फ्ड तस्वीरों के माध्यम से उत्पीड़न के प्रति जागरूकता	223	213	277	287
ऑनलाइन गतिविधियों में फर्जी पहचान के प्रति जागरूकता	229	218	271	282
साइबर अरेस्ट की समझ (कानूनी गिरफ्तारी)	241	231	259	269
फोन से डेटा डिलीट करने की तकनीकी प्रक्रिया के प्रति जागरूकता	239	228	261	272
जिटल सुरक्षा हेतु हस्ताक्षरित बिल लेने के व्यवहार के प्रति जागरूकता	205	194	295	306

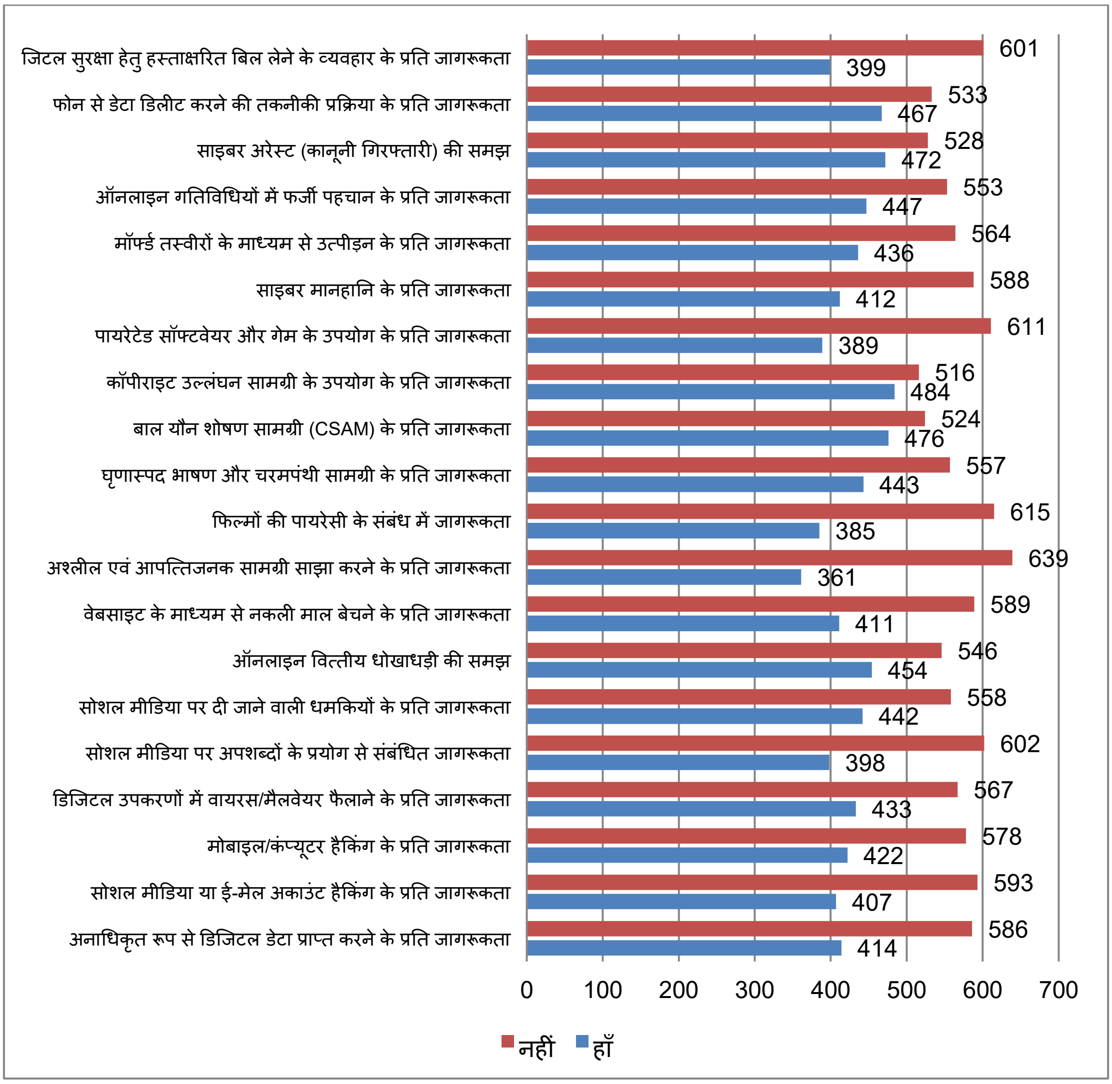

चित्र 1: छात्र–छात्राओं में साइबर अपराध के प्रति जागरूकता

तालिका स. 1 से ज्ञात होता है कि विभिन्न साइबर अपराधों एवं डिजिटल सुरक्षा से संबंधित विषयों के प्रति उत्तरदाताओं में जागरूकता का स्तर भिन्न–भिन्न है। सर्वाधिक 48.4% उत्तरदाता कॉपीराइट उल्लंघन सामग्री के उपयोग के प्रति जागरूक हैं, जबकि 47.6: उत्तरदाता बाल यौन शोषण सामग्री (CSAM) तथा 47.2% उत्तरदाता साइबर अरेस्ट (कानूनी गिरफ्तारी) के संबंध में जागरूक हैं। इसके अतिरिक्त 46.7% उत्तरदाता फोन से डेटा डिलीट करने की तकनीकी प्रक्रिया, 45.4% उत्तरदाता ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, 44.7% उत्तरदाता ऑनलाइन गतिविधियों में फर्जी पहचान, 44.3% उत्तरदाता घृणास्पद भाषण एवं चरमपंथी सामग्री, तथा 44.2% उत्तरदाता सोशल मीडिया पर दी जाने वाली धमकियों के प्रति जागरूक हैं।

वहीं दूसरी ओर, 43.6% उत्तरदाता मॉर्फ्ड तस्वीरों के माध्यम से उत्पीड़न, 43.3% उत्तरदाता डिजिटल उपकरणों में वायरसध्मैलवेयर, 42.2% उत्तरदाता मोबाइल/कंप्यूटर हैकिंग, 41.4% उत्तरदाता अनाधिकृत रूप से डिजिटल डेटा प्राप्त करने, 41.2% उत्तरदाता साइबर मानहानि, 41.1% उत्तरदाता वेबसाइट के माध्यम से नकली माल बेचने, तथा 40.7% उत्तरदाता सोशल मीडिया या ई–मेल अकाउंट हैकिंग के प्रति जागरूक हैं। इसके अतिरिक्त 39.9% उत्तरदाता डिजिटल सुरक्षा हेतु हस्ताक्षरित बिल लेने, 39.8% उत्तरदाता सोशल मीडिया पर अपशब्दों के प्रयोग, 38.9% उत्तरदाता पायरेटेड सॉफ्टवेयर एवं गेम के उपयोग, 38.5% उत्तरदाता फिल्मों की पायरेसी, तथा केवल 36.1% उत्तरदाता अश्लील एवं आपत्तिजनक सामग्री साझा करने के प्रति जागरूक हैं।

इससे स्पष्ट होता है कि अधिकांश विषयों में जागरूकता का स्तर 50% से कम है, अर्थात् अधिकांश उत्तरदाता विभिन्न साइबर अपराधों, डिजिटल सुरक्षा उपायों तथा ऑनलाइन कानूनी एवं नैतिक दायित्वों के प्रति पूर्णतः जागरूक नहीं हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा, डिजिटल गोपनीयता, ऑनलाइन वित्तीय सुरक्षा, कॉपीराइट संरक्षण, साइबर नैतिकता तथा सुरक्षित इंटरनेट व्यवहार के संबंध में अभी भी पर्याप्त जानकारी का अभाव है। अतः महाविद्यालय स्तर पर साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रमों, डिजिटल साक्षरता अभियानों, जागरूकता कार्यशालाओं तथा व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों में साइबर अपराधों की पहचान, उनसे बचाव तथा सुरक्षित डिजिटल आचरण के प्रति जागरूकता को और अधिक सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता है।

परिकल्पना (H–0): महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र – छात्राओं में साइबर अपराध के प्रति जागरूकता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 2: परिकल्पना का t–परिक्षण

	औसत	प्रसरण	अवलोकन	स्वतंत्रता की कोटि	टी-सांख्यिकी	P(टी<=टी) द्वि-पुच्छीय	टी-क्रांतिक द्वि-पुच्छीय
छात्र (पुरुष)	219.05	276.26	20	19	91.54	1.34×10^{-26}	2.09
छात्रा (महिला)	208.55	283.31	20	—	—	—	—

विश्लेषण एवं व्याख्याः

चूंकि हमारा परिकलित t–मान (91.54) 0.05 सार्थकता स्तर पर सारणीबद्ध क्रांतिक मूल्य (2.093) से अत्यधिक अधिक है और p–मान (1.34 10—26) लगभग शून्य ($p < 0.05$) है, अतः शून्य परिकल्पना (H–0) अस्वीकृत (Reject) की जाती है।

निष्कर्ष

कोटा जिले के महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओ में अधिकांश साइबर अपराधों और डिजिटल सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूकता का स्तर 50% से कम पाया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि छात्र–छात्राओ मे ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, डेटा गोपनीयता, साइबर नैतिकता और सुरक्षित इंटरनेट व्यवहार के संबंध में पूरी

तरह जागरूक नहीं हैं। सांख्यिकीय परीक्षण (t-test) के आधार पर शून्य परिकल्पना को अस्वीकार किया गया है, जो यह सिद्ध करता है कि छात्र और छात्राओं की साइबर जागरूकता में सार्थक अंतर है। अध्ययन में यह पाया गया कि छात्राओ की तुलना में छात्रों में साइबर अपराधों के प्रति तकनीकी और व्यावहारिक जागरूकता का स्तर अधिक है। यद्यपि युवा वर्ग डिजिटल उपकरणों और सोशल मीडिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता है, लेकिन सुरक्षा मानकों के प्रति उनकी उदासीनता और तकनीकी जानकारी की कमी उन्हें साइबर ठगी, हैकिंग, मॉर्फिंग और अन्य साइबर अपराधों का आसान शिकार बनाती है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. अहमद, एस., एवं परवीन, एस. (2020). कश्मीर घाटी के युवाओं में साइबर सुरक्षा और मोबाइल ऐप उपयोग की सुरक्षा आदतेंः एक सर्वेक्षण अध्ययन। जर्नल ऑफ डिजिटल एजुकेशन एंड सिक्योरिटी, 5(2), 45–56.
2. जोशी, आर., एवं मेहता, वी. (2020). जयपुर जिले के कॉलेज विद्यार्थियों में साइबर कानून जागरूकता का मूल्यांकन। भारतीय विधि समीक्षा, 12(1), 88–97.
3. कुमार, र., एवं वर्मा, एस. (2018). लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातक छात्रों में साइबर बुलिंग जागरूकता। इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, 7(3), 55–64.
4. मल्होत्रा, ए., एवं सिंह, पी. (2019). दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों में ई–कॉमर्स साइबर अपराध जागरूकता। जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड डिजिटल सिक्योरिटी, 4(4), 102–113.
5. श्रीवास्तव, पी., एवं शर्मा, ए. (2021). सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर साइबर अपराध जागरूकताः उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय का अध्ययन। जर्नल ऑफ मीडिया एंड साइबर स्टडीज, 3(1), 25–37.
6. बीजू, एम., जगदीश, के. के., एवं कौर, जे. (2022). कर्नाटक, भारत में कॉलेज छात्रों के बीच साइबर सुरक्षा जागरूकता। री–इन्वेंटिंग बिज़नेस F: डिजिटलाइज़ेशन एंड इनोवेशन (RBTDI), 38.
7. धरणी, एस. के., एवं लता, एस. (2025). साइबर अपराध का भयः चेन्नई के कॉलेज छात्रों पर एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लॉ, पॉलिसी एंड सोशल रिव्यू, 7(2), 104–111.
8. पद्मावथी, आर. डी. (2019). विश्वविद्यालय स्नातकों की साइबर अपराध के प्रति जागरूकता और उसके शब्दों की परिचितताः एक तुलनात्मक अध्ययन। थिंक इंडिया (त्रैमासिक पत्रिका), 22(4), 6521।
9. तिवारी, स., राय, सु. कु., एवं सिसोदिया, व. (2023). सोशल मीडिया पर भारतीय युवाओं के विरुद्ध साइबर अपराध का विश्लेषण। यूरोपियन इकनॉमिक लेटर्स, 13(4)

❑❑❑